महावर्ग पिसीज

महावर्ग पिसीज (Superclass Pisces)

इस महावर्ग के सदस्य वास्तविक मछलियाँ (True fishes) कहलाती है। मछलियों के अध्ययन को इक्थियोलॉजी (Icthyology) कहते है।

महावर्ग पिसीज के सामान्य लक्षण (Common characteristics of Superclass Pisces)

ये समुद्री या स्वच्छ जलीय (marine or fresh water) आवास में पायी जाती है।

इनमें गमन के लिए युग्मित व अयुग्मित फिन (Paired or unpaired fins) पाये जाते है।

मछलियों में श्वसन गिल्स (Gills) द्वारा होता है।

गिल्स छिद्र की संख्या 4-5 जोड़ी से अधिक नहीं होती है।

इनका हृदय द्विकोष्ठीय होता है। इनमें एक आलिन्द (atrium) तथा एक निलय (Ventricular) होता है।

इनके हृदय से अशुद्ध रक्त केवल एक बार होकर गुजरता है। जिसे एकल परिसंचरण (Single circulation) कहते है। तथा ऐसे हृदय को वीनस हृदय कहते है।

ये असमतापी (Poikilothermal) होते है। अथार्त इनके शरीर का तापमान वातावरण के तापमान के अनुसार बदलता रहता है।

इनकी त्वचा पर शल्क (Scales) पाये जाते है।

इनमें अस्थि (Bones) या उपास्थि (cartilage) का बना अन्तःकंकाल (Endoskeleton) पाया जाता है।

इनके वृक्क मिजोनेफ्रिक (Mesonephric) प्रकार के होते है।

इनमें 10 जोड़ी कपाल तंत्रिकाएँ (Cranial nerve) पायी जाती है।

इनमें बाह्य तथा अन्तःकर्ण अनुपस्थित होते है। केवल अन्तःकर्ण पाये जाते है।

ये एकलिंगी (unisexual), निषेचन आन्तरिक या बाह्य (internal or external fertilization) परिवर्धन प्रत्यक्ष (direct development) प्रकार का होता है।

इनमें विदलन असमान पूर्णभंजी (holoblastic unequal cleavage) प्रकार का होता है।

इनमें बाह्य भ्रूर्णीय झिल्लीयां (Extra embryonic membrane) एम्नियोन अनुपस्थिति होती है। इसलिए इनको एनएम्नियोनिओटा (anamniota) कहते है।

Keywords महावर्ग पिसीज, Superclass Pisces, मछलियों का समूह, मछलियों के प्रकार, Fish Index

महावर्ग पिसीज का वर्गीकरण (Classifications of Superclass Pisces)

रोमर, पार्कर तथा हेजवेल ने महावर्ग पिसीज को तीन वर्गों में बांटा है –

1. प्लैकोडर्मी (Placodermi)
2. कॉन्ड्रीक्थीज (Chondrichthyes)
3. ऑस्टिक्थीज (Osteichthyes)

वर्ग प्लैकोडर्मी (Class Placodermi)

ये प्रथम अलवणीय जल की मछलियाँ थी। जो डेवोनियन से पर्मियन (Devonian to permian) युग में पायी जाती थी।

प्लैकोडर्मी मछलियाँ विलुप्त हो चुकी है।

इनके शरीर पर अस्थिल प्लेटों का कवच होता है। इसलिए इनको कवचित मछलियाँ (Armoured fishes) कहते है।

उदाहरण क्लाइमेटियस (Climatius), डायनिक्थीज (Dianichthves)

वर्ग कॉन्ड्रीक्थीज (Class Chondrichthyes)

ये समुद्री मछलीयाँ है।

इनका अन्तःकंकाल उपास्थियों (Cartilage endoskeleton) का बना होता है।

इनके शरीर पर प्लेकॉइड प्रकार के शल्क पाये जाते है।

इनमें वायुकोष अनुपस्थित होता है। अतः इनको डूबने से बचने के लिए लगातार तैरते रहना पड़ता है।

इन मछलीयों के पृष्ठ भाग पर तापग्राही सवेदांग पाये जाते है। जिनको लोरेंजिनी की तुम्बिकाएँ (Ampulla of lorenzini) कहते है।

इनमें नर का मैथुन अंग क्लेस्पर (Clasper) कहलाता है। इनमें अवस्कर () छिद्र पाया जाता है।

इनकी क्लोम दरारों पर ऑपरकुलम (Operculum) अनुपस्थित होता है।

ये एकलिंगी, निषेचन आंतरिक, अन्डे देने वाले (अंडज, Oviparous) अथवा बच्चे उत्पन्न करने वाले (जरायुज, Viviparous) होते है।

ये असमतापी होते है।

https://www.evidyarthi.in/

उदाहरण कुता मछली (Scoliodon, Dog fish), Pristis (आरा मछली) Corcodon (विशाल सफ़ेद शार्क) Trigon (व्हेल शार्क) Sphyrna (हेमर हेडेड शार्क) टाइगर शार्क (Stegostoma) विद्युत् रे मछली (Torpedo, टॉरपिड़ो) ट्रिइगोन (Trygon)

वर्ग ऑस्टिक्थीज (Class Osteichthyes)

ये समुद्री तथा मीठे पानी की मछलीयाँ है।

इनका अन्तःकंकाल अस्थियों (Bony endoskeleton) का बना होता है।

इनके शरीर पर साइक्लोइड तथा गेनोइड प्रकार के शल्क पाये जाते है।

इनमें वायुकोष उपस्थित होता है। अतः इनको लगातार तैरते रहने की आवश्यकता नहीं होती है।

इन मछलीयों के पृष्ठ भाग पर तापग्राही सवेदांग पाये जाते है। जिनको लोरेंजिनी की तुम्बिकाएँ (Ampulla of lorenzini) कहते है।

इनमें नर का मैथुन अंग क्लेस्पर का अभाव होता है। इनमें अवस्कर (Cloaca) छिद्र पाया जाता है।

इनकी क्लोम दरारों पर ऑपरकुलम (Operculum) द्वारा ढका रहता है।

ये एकलिंगी (Unisexual), निषेचन आंतरिक (Internal fertilization), तथा अंडज (Oviparous) होते है।

ये असमतापी होते है।

उदाहरण रेटफिश (Chimera), उड़न मछली (Exocoetus), समुद्री घोड़ा (Hippocampus), रोहू (Lebeo), केट मछली (Clarias), एंगज मछली, फाइटिंग फिश, मच्छर का लार्वा खाने वाली मछली (Gambusia), धनुष मछली (Amia) फेफड़ा मछली (Latemaria)

लिओ एस बर्ग ने महावर्ग पिसीज को सात वर्गों में वर्गीकृत किया है –

1. वर्ग पेट्रीक्थीज (Class Petrichthys) विलुप्त

2. वर्ग कोकोस्टी (Class coccostei) विलुप्त

उपरोक्त तीनों वर्गों को प्लैकोडर्मी कहते है।

3. वर्ग एकेन्थोडी (Class Acanthodii) विलुप्त

4. वर्ग इलेस्मोब्रेंकि (Class Elasmobranchii)

5. वर्ग होलोसिफेलाई (Class Holocephali)

उपरोक्त तीनों वर्गों को कॉन्ड्रीक्थीज कहते है।

6. वर्ग डीप्नोई (Class Dipnoi)

7. वर्ग टिलेयोस्टोमी (Class Teleostomi)

उपरोक्त दोनों वर्गों को ऑस्टिक्थीज कहते है।

https://www.evidyarthi.in/